



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 17, 1994/पौष 27, 1915

No. 20]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 17, 1994/PAUSA 27, 1915

संचार मंत्रालय

(दूर-संचार विभाग)

(दूर संचार आयोग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

सा.का.नि. 24 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (प्रथम संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1994 से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 436 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“436. बिलों और प्रभारों की अदायगी :—कोई उप-भोक्ता टेलीफोन कनेक्शन या वैसी ही सेवा के संस्थापन या स्थानान्तरण या किराए या कालों (स्थानीय और ट्रंक) या फोनोग्रामों के लिए प्रभारों की अदायगी ऐसी अवधियों के लिए और ऐसी तारीख को अदायगी करेगा जो तार प्राधिकारी द्वारा विहित की जाए :

परन्तु यदि उस तारीख को या उसके पूर्व जो तार प्राधिकारी द्वारा विहित की जाए, कालों (स्थानीय और ट्रंक) या फोनोग्रामों की वास्तविक किराए या प्रभारों को या टेलीफोन कनेक्शन या वैसी ही सेवा की वास्तविक अन्य प्रभारों की अदायगी इन नियमों के अनुसार नहीं की जाती है तो किसी ऐसी अन्य कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो तार प्राधिकारी टेलीफोन सेवा या वैसी ही सेवा को काटने के

लिए करें, निम्नलिखित दरों पर अधिभार उद्गृहीत किया जाएगा :—

बिल/प्रभार की रकम	विहित तारीख के पश्चात् संदेय अधिभार की रकम
1 रुपए से 500 रुपए	10 रुपए
501 रुपए से 1,000 रुपए	20 रुपए
1,001 रुपए से 2,000 रुपए	40 रुपए
2,001 रुपए से 3,500 रुपए	70 रुपए
3,501 रुपए से 5,000 रुपए	100 रुपए
5,001 रुपए से 7,500 रुपए	150 रुपए
7,501 रुपए से 10,000 रुपए	200 रुपए
10,001 रुपए से 20,000 रुपए	400 रुपए
20,001 रुपए से 50,000 रुपए	1,000 रुपए
50,001 रुपए से अधिक	2,000 रुपए

3. (i) उक्त नियमों के नियम 481 के उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यदि उस तारीख को या उसके पूर्व, जो तार प्राधिकारी द्वारा विहित की जाए, सर्किटों या बैसी ही सेवा की बाबत किराए या प्रभारों की अदायगी इन नियमों के अनुसार नहीं की जाती है तो किसी ऐसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो तार प्राधिकारी बिना किसी नोटिस के सर्किटों को काटने के लिए करे, नियम 436 के अधीन विनिर्दिष्ट दरों पर अधिभार उद्गृहीत किया जाएगा।”

4. उक्त नियमों के नियम 519 में, सारणी-ग के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यदि उस तारीख को या उसके पूर्व, जो तार प्राधिकारी द्वारा विहित की जाए, टेलिक्स सेवा या बैसी ही सेवा की बाबत किराए, कालप्रभारों या अन्य प्रभारों की अदायगी इन नियमों के अनुसार नहीं की जाती है तो किसी ऐसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो तार प्राधिकारी बिना किसी नोटिस के टेलिक्स सेवा को काटने के लिए करे, नियम 436 के अधीन विहित दरों पर अधिभार उद्गृहीत किया जाएगा।”

[सं. 2-14/88-टी.प्रार.]

एन. वित्तल, अध्यक्ष, दूर संचार आयोग तथा सचिव

पाद टिप्पण :— तारीख 1-9-84 तक संशोधित मूल नियम डाक तार विभाग की नियम पुस्तिका खंड (1) के, विधायी अधिनियम भाग 2 छठा संस्करण द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

(Telecom Commission)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th January, 1994

G.S.R. 24(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (1st Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force with effect from 1st April, 1994.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, (hereinafter referred to as the said rules) for rule 436, the following shall be substituted, namely:—

“436. Payment of bills and charges.—A subscriber shall pay the charges for installation or shift or the rent or calls (local and trunk) or Phonograms for a telephone connection or similar service for such periods and at such date as may be prescribed by the Telegraph Authority :

Provided that if, on or before the date, as may be prescribed by the Telegraph Authority, the rent or charges in respect of calls (local and trunk) or phonograms or other charges in respect of telephone connection or similar service are not paid in accordance with these rules, without prejudice to any other action the Telegraph Authority may take for disconnection of telephone or similar service, a surcharge at the following rates shall be levied.

Amount of bill/charge	Amount of Surcharge payable after prescribed date
Rs. 1 to Rs. 500	Rs. 10/-
Rs. 501 to Rs. 1,000	Rs. 20/-
Rs. 1,001 to Rs. 2,000	Rs. 40/-
Rs. 2,001 to Rs. 3,500	Rs. 70/-
Rs. 3,501 to Rs. 5,000	Rs. 100/-
Rs. 5,001 to Rs. 7,500	Rs. 150/-
Rs. 7,501 to Rs. 10,000	Rs. 200/-
Rs. 10,001 to Rs. 20,000	Rs. 400/-
Rs. 20,001 to Rs. 50,000	Rs. 1,000/-
Rs. 50,001 onwards	Rs. 2,000/-

3. (i) In rule 481, of the said rules, after sub-rule (1) the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that if on or before the date, as may be prescribed by the Telegraph Authority, the rent or charges in respect of the circuits or similar service are not paid in accordance with these rules, without prejudice to any other action the Telegraph Authority may take for disconnection of circuits without notice, a surcharge at the rates specified under rule 436 shall be levied.”

4. In rule 519 of the said rules, after the Table-C, the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that if, on or before the date, as may be prescribed by the Telegraph Authority,

the rent, call charges or other charges in respect of Telex Service or similar service are not paid in accordance with these rules, without prejudice to any other action the Telegraph Authority may take for disconnection of telex without notice, a surcharge at the rates prescribed under rule 436 shall be levied.

[No. 2-14/88-TR]

N. VITTAL, Chairman, Telecom. Commission
and Secy.

Foot Note.—The principal rules (as amended up to 1-9-84) have been published in the P&T Manual Volume I. Legislative Enactments. Part II, Sixth Edition.

